



न्यायालयः - माननीय राजस्व परिषद ग्रामलियर संभाग उवालियर म.प.

प्रकरण क्रमांक 193 - निगरानी

RN/12-5/R/1163/93
महाराष्ट्र राजस्व परिषद उज्जैन अधिकारी
प्राथीगण 27-11-93
कालूसिंह आत्मज 27-11-93

11। मेरा आत्मज उमारजी

12। सम्पतबाई पति हीरालालजी

धंधा कृषि निवासीगण ग्राम लसुडिया बाजा

परगना घटिट्या जिला उज्जैन

-अश्रितराम

-प्राथीगण

विरुद्ध

करणसिंह आत्मज कालूसिंहजी धंधा कृषि

निवासी ग्राम लसुडियाबाजार परगना घटि

जिला उज्जैन

-उम्मसुदेश

-प्रतिप्राथी

विषयः - म.प्र. भू. रा. संहिता की धारा ५० पैसे 50 . 11। के आधीन

माननीय अति. आयुक्त महोदय उज्जैन जिला उज्जैन द्वारा

प्रकरण क्रमांक 209/91-92 अप्रैल में दिनांक 21-10-93 के

प्रदान किये गये निर्णय के विरुद्ध निगरानी।

माननीय महोदय,

प्राथीगण की ओर से निम्नलिखित निगरानी अवधि में प्रस्तुत है

11। यह कि, अप्रैलेट अधिनस्थ योग्य न्यायालय ने प्राथीगण के द्वा

प्रस्तुत अप्रैल को अवधि बाहर मानने में वैधानिक भूल की है। श्रश्रितराम प्राथीग

ने अवधि विधान की धारा 5 के आधीन आवेदन-पत्र व शम्पथ-पत्र प्रस्तुत किया।

इस पर अधिनस्थ अप्रैलेट न्यायालय ने विचार नहीं करते हुए अप्रैल को अवधि

बाह्य मानने में वैधानिक व घटनात्मक भूल की है।

12। यह कि, अधिनस्थ अप्रैलेट न्यायालय ने अप्रैल में उठाये गये

पर विचार नहीं करने में वैधानिक भूल की है।

13। यह कि, तटसील न्यायालय ने प्रकरण साक्ष्य के लिये नियत

किया था किन्तु साक्ष्य ते ती गई इस प्रश्न पर अधिनस्थ योग्य अप्रैलेट न्याया

न्यायालय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक आर.एन./12-5/आर/1169/93

भैरा/कर्यालय

जिला उज्जैन

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अद्यता के हस्ताक्ष
23-3-2018 <i>AKH</i>	<p>आवेदक की ओर से कोई उपस्थित नहीं। प्रकरण का अवलोकन किया गया। यह प्रकरण वर्ष 1993 से प्रचलित है और आवेदक द्वारा लम्बे समय से अनुपस्थित है। न्यायहित में आवेदक की उपस्थिति के लिए प्रकरण में आज दिनांक 23-3-2018 तक इंतजार किया गया। अतः आवेदक को प्रकरण के निराकरण में रुचि नहीं होने के कारण प्रकरण इसी स्तर पर समाप्त किया जाता है। अधीनस्थ न्यायालय का अभिलेख वापिस किया जाये। प्रकरण दाखिल रिकार्ड हो।</p> <p><i>अद्यक्ष</i></p>	